

ལྷ གཏིག་ ཆེན་		༄	ཁིའོས་པ་ལྷ་བུ་ཉམས་ལེན་པ་ལ་བྱིན་པོ་པ་དེ་པ་རྫོང་པ་གྲུ་བ་པ་ལི་བ་རྒྱུ་ལེན་པོ་ལྷ་བུ་བ་ལྷ་མ་ལོ།		ལྷ་བུ་ལྷ་
------------------------------------	--	----------	--	--	------------------

मन्त्रपञ्चमः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

428

सुप्रसन्नोऽसि । नमः ।

三

सठ्ठमपि न सः।

[illegible]

འདེམ་ཁྱད་པའི་འཕྲུལ་པའི་མེ་ཆེན་དེ་ལས་མེ་ཆེན་གྱི་ལོ་ལྟུང་ལྟོང་

॥ क्लृप्तं वदन्ति ॥

[illegible][illegible]

॥ दया ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

ཏུ་ཐུངས་ཤིག་དང་ཕན་ཐོག་ཆེན་པོ་ལྟར་བར་སྤྲད་དེ།

[illegible]

मस्तुदपददगुसगुवगुव...

[illegible][illegible]

सुश्रुतसंहिता

三

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥